Natural vegetation in India

Types of Natural vegetation in India भारत में प्राकृतिक वनस्पतियों के प्रकार

Natural vegetation means vegetation that has not been developed by humans. It does not need help from humans and takes whatever nutrients they need from the natural environment. There is a close relationship between ground elevation and vegetation characteristics. Climate change occurs with changes in elevation and due to which the nature of natural vegetation changes. The growth of vegetation depends on temperature and humidity. It also depends on factors such as soil thickness and slope. It is classified into three broad categories: forests, grasslands and shrubs.

प्राकृतिक वनस्पति का मतलब है वह वनस्पति जो मनुष्य द्वारा विकसित नहीं की गयी है । यह मनुष्यों से मदद की जरूरत नहीं है और जो कुछ भी पोषक तत्व इन्हें चाहिए, प्राकृतिक वातावरण से ले लेते है। जमीन की ऊंचाई और वनस्पति की विशेषता के बीच एक करीबी रिश्ता है। ऊंचाई में परिवर्तन के साथ जलवायु परिवर्तन होता है और जिसके कारण प्राकृतिक वनस्पति का स्वरुप बदलता है। वनस्पति का विकास तापमान और नमी पर निर्भर करता है। यह मिट्टी की मोटाई और ढलान जैसे कारकों पर भी निर्भर करता है। इसे तीन विस्तृत श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: वन, घास स्थल और झाड़ियां।

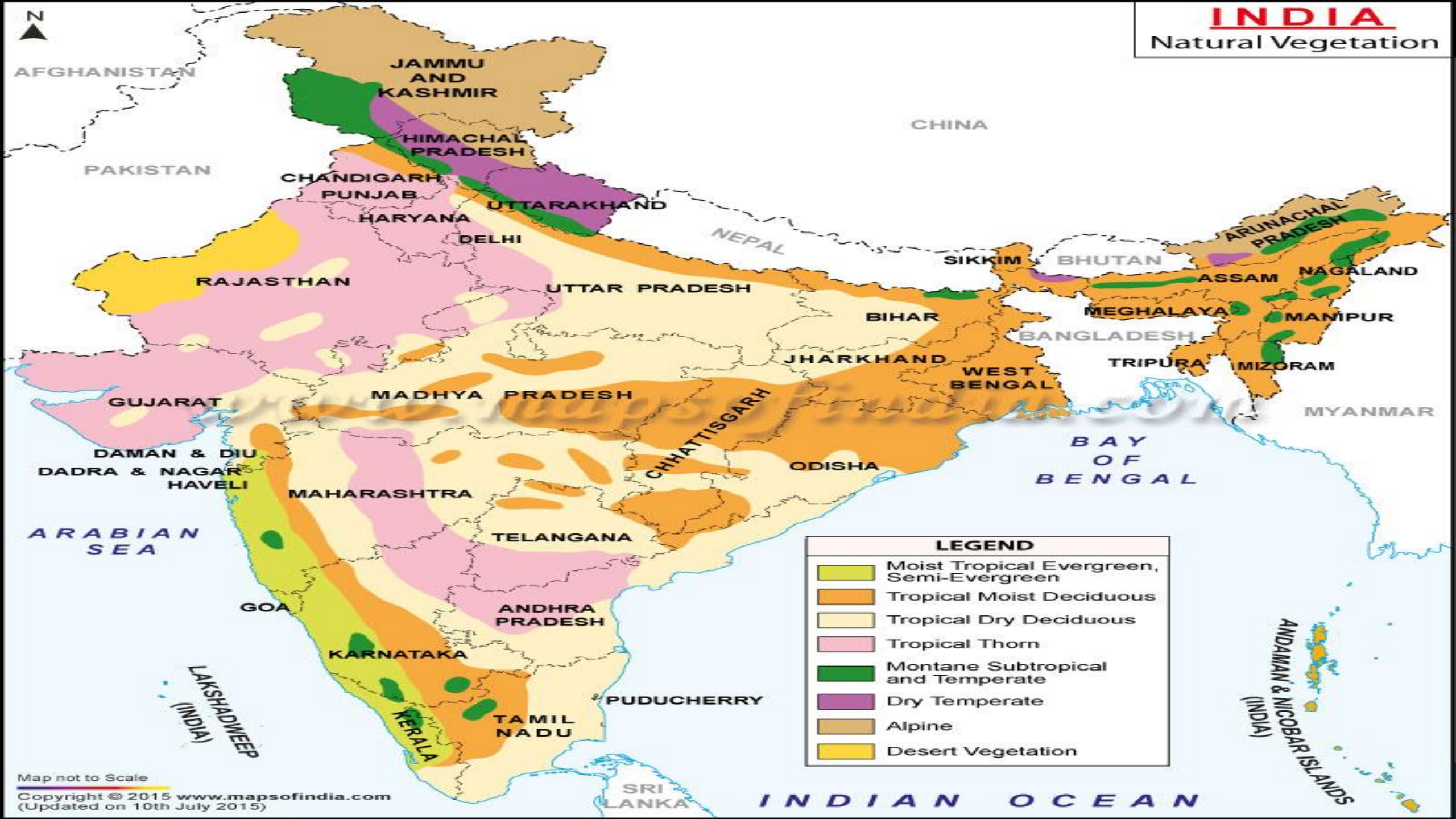
INDIA
Natural Vegetation
N
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR
SRI LANKA
JAMMU AND KASHMIR
HIMACHAL PRADESH
CHANDIGARH
PUNJAB
HARYANA
DELHI
UTTARAKHAND
RAJASTHAN
UTTAR PRADESH
BIHAR
SIKKIM
ARUNACHAL PRADESH
ASSAM
NAGALAND
MEGHALAYA
MANIPUR
TRIPURA
MIZORAM
JHARKHAND
WEST BENGAL
GUJARAT
MADHYA PRADESH
CHHATTISGARH
ODISHA
DAMAN & DIU
DADRA & NAGAR HAVELI
MAHARASHTRA
TELANGANA
ANDHRA PRADESH
GOA
KARNATAKA
KERALA
TAMIL NADU
PUDUCHERRY
LAKSHADWEEP (INDIA)
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS (INDIA)
BAY OF BENGAL
ARABIAN SEA
INDIAN OCEAN
LEGEND
Moist Tropical Evergreen, Semi-Evergreen
Tropical Moist Deciduous
Tropical Dry Deciduous
Tropical Thorn
Montane Subtropical and Temperate
Dry Temperate
Alpine
Desert Vegetation
Map not to Scale
Copyright © 2015 www.mapsofindia.com
(Updated on 10th July 2015)

TYPES OF NATURAL VEGETATION

- FOREST
  - TROPICAL RAINFOREST
  - COLD TEMPERATE CONIFEROUS FOREST
- DESERT
  - SEMI-DESERT
  - HOT DESERT
  - COLD-DESERT(TUNDRA)
- GRASSLAND

SAFALTA.COM

Types of Natural vegetation in India -

1. Tropical Evergreen Rain Forest
2. Type of deciduous or monsoon forests
3. Dry deciduous forest
4. Mountain forest
5. Tidal or mangrove forest
6. Semi-desert and desert vegetation

भारत में प्राकृतिक वनस्पतियों के प्रकार –

1. उष्णकटिबंधीय सदाबहार वर्षा वन
2. पर्णपाती या मानसून वनों का प्रकार
3. शुष्क पर्णपाती वन
4. पर्वत वन
5. ज्वारीय या मैंग्रोव वन
6. अर्ध-रेगिस्तान और रेगिस्तान वनस्पतियां

1.Tropical Evergreen Rain Forest

Tropical evergreen rain forests are found in areas where rainfall exceeds 200 cm. They are commonly found in Arunachal Pradesh, Meghalaya, Assam, Nagaland, Western Ghats, Terai regions of Himalayas, Andaman Islands and Northeast regions. They are also found in the Khasi and Jayanti hills. Trees in this region grow with intensity.

1.उष्णकटिबंधीय सदाबहार वर्षा वन

उष्णकटिबंधीय सदाबहार वर्षा वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक होती है। वे आमतौर पर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम, नागालैंड, पश्चिमी घाट, हिमालय के तराई क्षेत्रों, अंडमान द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये खासी और जयंती की पहाड़ियों में भी पाए जाते हैं। इस क्षेत्र के पेड़ों में तीव्रता के साथ वृद्धि होती है।

SAFALTA .COM

The major trees found in this area are sandalwood, rosewood, thunder, mahogany and bamboo. All types of plants, shrubs and vines are also found in them, which appear in a multi-layered structure. Elephants, monkeys are the common animals found in these areas.	इस क्षेत्र में पाए जाने वाले प्रमुख पेड़ों में चंदन की लकड़ी, गुलाब की लकड़ी, गरजन, महोगनी और बांस हैं। इनमें सभी प्रकार के पौधों, झाड़ियां और लताएं भी पाये जाते हैं, जो एक बहु-स्तरीय संरचना में दिखाई देते हैं। हाथी, बंदर इन इलाकों में पाए जाने वाले आम जानवर हैं।

2.Deciduous Forests

Deciduous forests are found on the lower slopes of the Himalayas, West Bengal, Chhattisgarh, Bihar, Orissa, Karnataka, Maharashtra, Jharkhand and adjoining areas. The rainfall in this region is between 100 cm and 200 cm. Teak is the dominant species seen in this region, along with cedar, gum tree, palash, sandalwood, ebony, sal, palm etc. trees are also seen.

2.पर्णपाती वन

पर्णपाती वन हिमालय, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र झारखंड और आसपास के क्षेत्रों के निचले ढ़लान पर पाये जाते हैं। इस क्षेत्र में वर्षा 100 सेंटीमीटर और 200 सेंटीमीटर के बीच होती है। सागौन इस क्षेत्र में दिखाई देने वाली प्रमुख प्रजाति है, इसके साथ ही देवदार, गोंद के वृक्ष, पलाश,चंदन लकड़ी, आबनूस, साल, ताड़ आदि वृक्ष भी देखने को मिलते है।

SAFALTA.COM
An Initiative by अमर उजाला

Trees drop their leaves in this forest during strong winters and dry summers. These forests are further subdivided into moist and dry deciduous forest based on water availability.	तेज सर्दियों और शुष्क गर्मीयों के दौरान इस जंगल में पेड़ अपने पत्तों को गिरा देते हैं। पानी की उपलब्धता के आधार पर इन जंगलों को फिर से नम और शुष्क पर्णपाती वन में विभाजित किया गया है।

3.Dry deciduous forest

These forests grow in areas where rainfall is between 50 cm and 100 cm. They are mainly seen in the central Deccan plateau, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and parts of south-east of Rajasthan.

3.शुष्क पर्णपाती वन

ये जंगल उन क्षेत्रों में उगते हैं जहां वर्षा 50 सेंटीमीटर और 100 सेंटीमीटर के बीच होती है। इन्हें मुख्य रूप से मध्य डेक्कन पठार, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों में देखा जाता है।

4.Mountain forest

Mountain forests are found to vary along mountain slopes. Sal, evergreen trees such as teak and bamboo grow in abundance from an altitude of 1500 meters to the foothills of the Himalayas.

On the higher slopes, temperate conifer trees such as pine and oak trees grow. At the height of the Himalayas, rhododendrons and zanipers are found. In comparison to these vegetation areas the alpine meadows are visible upwards to the ice fields.

4.पर्वत वन

पर्वत के जंगलों में पर्वत की ढ़लानों के साथ भिन्नता पायी जाती है। 1500 मीटर की ऊंचाई से हिमालय की तलहटी तक साल, सागौन जैसे सदाबहार वृक्ष और बांस प्रचुर मात्रा में विकसित होते हैं।

उच्च ढलान पर, पाइन जैसे समशीतोष्ण शंकुवृक्ष वृक्ष और ओक के वृक्ष विकसित होते है। हिमालय की ऊंचाई पर, रोडोडेंड्रोन और जनीपर्स पाए जाते हैं। इन वनस्पति क्षेत्रों की तुलना में अल्पाइन घास के मैदानों में ऊपर की तरफ बर्फ के मैदान तक दिखाई देता है।

5.Tidal or mangrove forest

Tidal or mangrove forests grow along the coast and along the deltas, such as the Kaveri, Krishna, Mahanadi, Godavari, and Gangetic deltas. In West Bengal, these forests are known as 'Sundarbans'. Sundari is the largest tree in these forests. Important trees of sorghum forest are - hog, cattle, psoas etc. This forest is an important factor in the timber industry, as they provide wood and fuel wood. Palm and coconut trees beautify the coast.

5.ज्वारीय या मैंग्रोव वन

ज्वारीय या मैंग्रोव वन तट के किनारे और डेल्टा के किनारों पर बढ़ते हैं, जैसे कावेरी, कृष्णा, महानदी, गोदावरी, और गंगा के डेल्टा। पश्चिम बंगाल में, इन वनों को 'सुंदरबन' के नाम से जाना जाता है। इन जंगलों में 'सुंदरी' एक सबसे बड़ा पेड़ है। ज्वारीय वन के महत्वपूर्ण पेड़ हैं- हॉग, गरण, पसूर आदि। यह वन लकड़ी उद्योग में एक महत्वपूर्ण कारक है, क्योंकि वे लकड़ी और ईंधन की लकड़ी प्रदान करते हैं। पाम और नारियल के पेड़ तट के किनारे को सुशोभित करते हैं।

SAFALTA.COM
An Initiative by अमर उजाला

Semi-Desert and Desert Flora

Semi-Desert and Desert Vegetations

This region receives less than 50 cm of rain. Thorn bushes, acacia are found in this vegetative area. Generally, dates, cashew trees are found here. They are densely inhabited. During drought, plants found in this area conserve water in their stems. These flora are found in parts of Gujarat, Punjab and Rajasthan.

अर्ध-रेगिस्तान और रेगिस्तानी वनस्पतियां

इस क्षेत्र में 50 सेंटीमीटर से कम बारिश होती है। इस वनस्पति क्षेत्र में कांटेदार झाड़ियाँ, बबूल पाए जाते हैं। आम तौर पर यहां खजूर, काजू के वृक्ष पाये जाते है। यह घने बसे रहते है। सूखा के दौरान इस क्षेत्र में पाए जाने वाले पौधे अपने तने में पानी को सुरक्षित कर लेते है। ये वनस्पति गुजरात, पंजाब और राजस्थान में कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।